Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत के आयात संगठन में सर्वाधिक योगदान किसका है?

(अ) मोती व रत्न
(ब) पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद
(स) पूंजीगत वस्तुएं
(द) सोना और चांदी

2. निम्न पत्तनों में से कौन भारत के पूर्वी तट पर स्थित है?

(अ) कांडला
(ब) मार्मागाओं
(स) तूतीकोरिन
(द) कोच्चि

3. भारत में व्यापार घाटे में वृद्धि का मुख्य कारण निम्न में से किसे ठहराया जाता है?

(अ) अपरिष्कृत (क्रूड) पेट्रोलियम
(ब) रासायनिक वस्तुएँ
(स) उर्वरक पेट्रोलियम
(द) खाद्य तेल

4. कांडला पत्तन कहाँ अवस्थित है?

(अ) मुंबई
(ब) तमिलनाडु
(स) आंध्र प्रदेश
(द) गुजरात

5. कोच्चि पत्तन (बन्दरगाह) स्थित है–

(अ) कर्नाटक में
(ब) तमिलनाडु में
(स) केरल में
(द) गोवा में

6. विदेश से वस्तु को क्रय करने को कहा जाता है–

(अ) आयात
(ब) भुगतान संतुलन
(स) निर्यात
(द) पण्य व्यापार

7. विदेशी व्यापार में स्वतंत्रता के बाद तीव्र वृधि के अनेक कारण हैं जैसे कि–

(अ) विनिर्माण के क्षेत्र में संवेगी उठान
(ब) सरकार की उदार नीतियाँ
(स) बाज़ारों की विविधरूपता
(द) उक्त सभी

8. तमिलनाडु का नवनिर्मित पतन निम्न में से कौन-सा है?

(अ) विशाखापट्नम पत्तन
(ब) तूतीकोरिन पत्तन
(स) चेन्नई पत्तन
(द) एन्नोर पत्तन

9. भारत के विदेशी व्यापार में कौन-से बदलाव हुए हैं?

(अ) व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है।
(ब) आयात एवं निर्यात की मात्रा में वृद्धि हुई है।
(स) उपर्युक्त सभी
(द) निर्यात की तुलना में आयात का मूल्य अधिक है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. 1950-60 के दशक में भारत में प्रमुख आयातित वस्तुएँ निम्न से संबंधित थीं–

(अ) मशीनरी एवं उपस्कर (ब) खाद्यान्न

(स) पूंजीगत माल (द) उपर्युक्त सभी

रिक्त स्थान :

11. भारत के आयात में सर्वाधिक हिस्सेदारी _____ और मशीनों की है।

12. भारत के निर्यात में 2021-22 में विनिर्मित वस्तुओं की हिस्सेदारी लगभग _____ प्रतिशत थी।

सत्य / असत्य

13. 2021-22 में भारत की कुल आयातित वस्तुओं में सबसे अधिक हिस्सेदारी कृषि और हल्के औद्योगिक उत्पादों की थी।

14. पिछले वर्षों में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हुई है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात का एक कारण स्पष्ट कीजिए।

16. भारत के पूर्वी तट के दो समुद्री बंदरगाहों के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मुंबई देश का सबसे बड़ा पत्तन है, स्पष्ट कीजिए।

18. कोलकाता पत्तन किस पृष्ठ प्रदेश को सेवाएँ प्रदान करता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में निर्यात और आयात व्यापार के संयोजन का वर्णन कीजिए।

20. भारत के पूर्वी तट पर अवस्थित पाँच प्रमुख पत्तनों का उल्लेख कीजिए।

HOTS

21. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से देश किस तरह लाभान्वित होता है? स्पष्ट कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय-8 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

Worksheet-2
उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) भारत के आया संगठन में सर्वाधिक योगदान पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पादों का रहता है।

2. (स) तूतीकोरिन

3. (अ) भारत में व्यापार घाटे में वृद्धि का मुख्य कारण अपरिष्कृत (क्रूड) पेट्रोलियम को ठहराया जाता है।

4. (द) गुजरात

5. (स) केरल में

6. (अ) आयात

7. (द) विनिर्माण के क्षेत्र में संवेगी उठान, सरकार की उदार नीतियाँ तथा बाज़ारों की विविधरूपता आदि

8. (द) तमिलनाडु का नवनिर्मित पतन एन्नोर पत्तन है।

9. (स) भारत के विदेशी व्यापार में निम्नलिखित बदलाव हुए हैं-

1. व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है।
2. निर्यात की तुलना में आयात का मूल्य अधिक है।
3. आयात एवं निर्यात की मात्रा में वृद्धि हुई है।

10. (द) 1950-60 के दशक में भारत में प्रमुख आयातित वस्तुएँ इनसे संबंधित थीं- खाद्यान्न, मशीनरी एवं उपस्कर, पूंजीगत माल।

11. **रिक्त स्थान :** तेल (पेट्रोलियम)

12. **रिक्त स्थान :** 67.8%

13. **सत्य / असत्य :** असत्य

14. **सत्य / असत्य :** सत्य

15. भारत में पेट्रोलियम का उत्पादन अपनी आवश्यकता से बहुल कम है। दो-तिहाई ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करता है। इसके अतिरिक्त बढ़ते औद्योगीकरण और बेहतर जीवन स्तर के लिए भी ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

16. भारत के पूर्वी तट पर पश्चिमी तट की तुलना में पत्तनों की संख्या कम है। कोलकाता पत्तन पूर्वी तट पर बंगाल में हुगली नदी के किनारे स्थित है। पाराद्वीप पत्तन (ओड़िशा) भी भारत के पूर्वी तट पर स्थित है।

17. **मुंबई पत्तन:** यह पत्तन प्राकृतिक रूप से गहरे पानी का पत्तन है। कोलकाता के बाद यह भारत का दूसरा सबसे पुराना पत्तन है। आज यह एक बहु प्रयोजन पत्तन बन गया है जो सभी प्रकार के कार्गो का संचालन करता है जैसे:- द्रवित बल्क, शुष्क बल्क, ब्रेक बल्क और कंटेनर। यह पत्तन मध्यपूर्व, भूमध्यसागरीय देशों, उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप के देशों के सामान्य जलमार्गों के निकट स्थित है। यहीं से देश के विदेशी व्यापार का अधिकांश भाग संचालित किया जाता है। यह पत्तन 20 कि.मी. लंबा तथा 6 से 10 कि.मी. चौड़ा हैं, जिसमें 54 गोंदियाँ तथा देश का विशालतम टर्मिनल है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के भाग, मुंबई पत्तन के पृष्ठ प्रदेश (hinter land) की रचना करते है। मुंबई के न्हावा-शेवा में जवाहरलाल नेहरू पत्तन का विकास मुंबई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए किया गया है। यह भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन है।

18. कोलकाता पत्तन (हल्दिया में डॉक परिसर सहित):- यह सबसे पुराना और भारत में एकमात्र नदी मुख्य पत्तन है। इसका विशाल पृष्ठ प्रदेश है जिसमें समस्त पूर्वी भारत और जमीन से जुड़े पड़ोसी देश नेपाल और भूटान हैं। कोलकाता पत्तन हुगली नदी पर अवस्थित है जोकि बंगाल की खाड़ी से 128 किमी अंदर की ओर अंतःस्थल पत्तन है। इसका विकास अंग्रेजों द्वारा किया गया था। कोलकाता को ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की राजधानी होने के लाभ प्राप्त थे। इसके पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम व अन्य उत्तर-पूर्वी राज्य आते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

इनके अलावा यह पत्तन नेपाल व भूटान जैसे स्थलरुद्ध पड़ोसी देशों को भी व्यापारिक सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। पारादीप और अनुषंगी पत्तन हल्दिया जैसे नवनिर्मित पत्तनों के विकास ने इसकी सार्थकता को काफी हद तक कम कर दिया है।

19. भारत के विदेशी व्यापार में अनेक वस्तुओं का निर्यात व आयात किया जाता हैं। भारत से निर्यात की वस्तुएँ इस प्रकार हैं- कृषि एवं अयस्क एवं खनिज, विनिर्मित वस्तुएँ, समवर्गी उत्पाद, मणि-रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, कालीन, चमड़े से बने उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वस्त्रादि, तथा पेट्रोलियम उत्पाद आदि।

जबकि प्रमुख आयातित वस्तुएँ हैं- पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वस्त्रादि, व्यावसायिक उपस्कर आदि; स्वर्ण एवं चाँदी; इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वस्त्रादि, गैर-धात्विक खनिज विनिर्माण; दालें, लोहा एवं स्टील; खाद्य तेल; धातुमयी अयस्क तथा छीजन; चिकित्सीय एवं फार्मा उत्पाद; अलौह धातुएँ, उर्वरक; रासायनिक उत्पाद; कोयला, कोक; लुगदी; अन्य वस्त्र धागे, कपड़े इत्यादि; तथा इष्टिका आदि। भारत के आयात व निर्यात व्यापार संयोजन का इस दृष्टि से भी देखा जा सकता है कि सन् 2004-05 में भारत का आयात मूल्य 4810.5 अरब रुपये का था जबकि निर्यात मूल्य 3560.5 अरब रुपये का था। इस प्रकार भुगतान संतुलन बिल्कुल भी भारत के पक्ष में नहीं हैं।

20. भारत के पूर्वी तट पर स्थित पाँच प्रमुख पत्तन निम्नलिखित हैं:

i. **कोलकाता पत्तन (पश्चिम बंगाल):** यह भारत के पूर्वी तट का एक प्रमुख और ऐतिहासिक पत्तन है। कोलकाता पत्तन गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है और बांग्लादेश तथा उत्तर-पूर्वी भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है। यह पत्तन भीतरी इलाकों को समुद्री मार्ग से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

ii. **हल्दिया पत्तन (पश्चिम बंगाल):** कोलकाता पत्तन का एक सहायक पत्तन है, जो गंगा नदी के डेल्टा में स्थित है। यह पत्तन मुख्यतः कोलकाता के बोझ को कम करने के लिए विकसित किया गया है और यहाँ पेट्रोलियम, तेल और कंटेनर जहाजों का प्रमुख रूप से आयात-निर्यात होता है।

iii. **पारादीप पत्तन (ओडिशा):** यह पत्तन ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में स्थित है। पारादीप पत्तन से मुख्यतः लौह अयस्क, कोयला, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात-निर्यात होता है। यह ओडिशा के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग है।

iv. **विशाखापत्तनम पत्तन (आंध्र प्रदेश):** इसे "विज़ाग" के नाम से भी जाना जाता है। यह आंध्र प्रदेश का सबसे बड़ा और प्रमुख पत्तन है। यहाँ से लौह अयस्क, कोयला और विभिन्न प्रकार के औद्योगिक उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

v. **तूतीकोरिन पत्तन (तमिलनाडु):** इसे "वी ओ चिदंबरनार पत्तन" भी कहा जाता है। यह तमिलनाडु में स्थित है और भारत के सबसे पुराने बंदरगाहों में से एक है। यहाँ से प्रमुख रूप से सीमेंट, उर्वरक, रसायन और औद्योगिक सामान का आयात-निर्यात होता है।

ये पत्तन भारत के पूर्वी तट पर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में अहम योगदान देते हैं और देश के प्रमुख समुद्री व्यापारिक केंद्रों में शामिल हैं।

21. दो देशों के बीच भौगोलिक सीमा के बाहर वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान होने की प्रक्रिया को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से देशों को निम्न प्रकार से लाभ होता है—

i. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से देशों के बीच आपसी सहयोग की वृद्धि होती है।

ii. जिन उत्पादों का उत्पादन कम होता है, राष्ट्र उन उत्पादों को आयात करते हैं तथा उनका मूल्य भी कम होता है।

iii. जिन उत्पादों का उत्पादन अधिक होता है, राष्ट्र उन्हें उचित मूल्य पर अन्य देशों को निर्यात कर विदेशी मुद्रा प्राप्त करते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App